

प्रेषक,

ओमप्रकाश,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
अल्मोड़ा।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 25 मई, 2012

विषय:- अर्चना फार्मास्यूटिकल प्राइलि, नई दिल्ली को आयुर्वेदिक वैलनेस सेन्टर की स्थापना हेतु ग्राम कलमटिया एवं तिवाड़ीखान पटवारी क्षेत्र नारायण तेवाड़ी देवाल तहसील एवं जिला अल्मोड़ा में 3.655 हैं। भूमि क्रय की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्र संख्या-3076/पॉच-सटारसहा०/2011-12 दिनांक 13 जनवरी, 2012 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि, श्री राज्यपाल, अर्चना फार्मास्यूटिकल प्राइलि, नई दिल्ली को आयुर्वेदिक वैलनेस सेन्टर की स्थापना हेतु उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश जर्मीदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 की धारा-154(4)(3)(क)(i) के अन्तर्गत, ग्राम कलमटिया, पटवारी क्षेत्र तेवाड़ी देवाल, जिला अल्मोड़ा के खोखा०सं०-१ क्षेत्रफल 3.624 हैं। तथा ग्राम तिवाड़ीखान पटवारी क्षेत्र नारायण तेवाड़ी देवाल तहसील व जिला अल्मोड़ा के खोखा०सं०-१ क्षेत्रफल 0.031 हैं। कुल 3.655 हैं। भूमि क्रय की अनुमति निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:-

- 1- केता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलैक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि क्रय करने के लिये अर्ह होगा।
- 2- केता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।

- 3— केता द्वारा क्य की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन (आयुर्वेदिक वैलनेस सेन्टर की स्थापना हेतु) के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ क्य किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।
- 4— जिस भूमि का संकरण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जाति/जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति/जनजाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि क्य से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।
- 5— जिस भूमि का संकरण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंकरणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों, एवं विक्रेता की भूमि सीलिंग से प्रभावित न हो।
- 6— शासन द्वारा दी गई भूमि क्य की अनुमति शासनादेश निर्गत होने की तिथि से 180 दिन तक वैध रहेगी।
- 7— इकाई द्वारा राज्य की स्वास्थ्य नीति के अनुरूप कार्य सुनिश्चित किया जायेगा।
- 8— स्थापित इकाई में उत्तराखण्ड मूल के बेरोजगारों को 70 प्रतिशत से अधिक का नियमित रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा।
- 9— किसी दशा में प्रस्तावित केताओं को प्रस्तावित भूमि के अतिरिक्त अन्य भूमि के उपयोग की अनुमति नहीं होगी एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि या अन्य कोई भूमि पर कब्जा न हो इसके लिये भूमि क्य के तत्काल बाद उसका सीमांकन कर लिया जाय।
- 10— भूमि का विक्रय अपरिहार्य परिस्थितियों के अतिरिक्त अनुमन्य नहीं होगा एवं ऐसी दशा में विक्रय किये जाने हेतु सकारण शासन का अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

21

- 11— सम्बन्धित आवेदक द्वारा भू-उपयोग करने से पूर्व सक्षम एजेन्सी (विनियमित क्षेत्र प्राधिकरण/विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण/विकास प्रोधिकरण) से नियमानुसार अनापत्ति प्राप्त करनी होगी तभी वह भूमि का उपयोग निर्धारित कार्य हेतु कर सकेंगे।
- 12— योजना प्रारम्भ से पूर्व नियमानुसार सम्बन्धित विभागों/ संस्थाओं से विधिक व अन्य अनापत्तियाँ/स्वीकृतियाँ प्राप्त कर ली जायेगी।
- 13— उपरोक्त शर्तों/प्रतिबन्धों का उल्लंघन होने पर अथवा किसी अन्य कारणों से, जिसे शासन उचित समझता हो, प्रश्नगत स्वीकृति निरस्त कर दी जायेगी।

कृपया इस सम्बन्ध में तदनुसार कार्यवाही करते हुए शासनादेश के परिप्रेक्ष्य में, जनपद स्तर से निर्गत किये जाने वाले आदेश की प्रति, अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(आमप्रकाश)
प्रमुख सचिव।

पृ०प०सं-३६२ / समदिनांकित / २०१२

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1— सचिव, आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 2— अपर मुख्य राजस्व आयुक्त, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3— आयुक्त, कुमाऊ मण्डल, नैनीताल।
- 4— डा० अरबिन्द लाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, अर्चना फार्मास्यूटिकल प्रा०लि० जे०-५ ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-११००१६
- 5— निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड, सचिवालय, देहरादून।
- 6— प्रभारी मीडिया केन्द्र, सचिवालय, देहरादून।
- 7— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

२१
(सन्तोष बडोनी)
अनुसचिव।